Exclusive Interview with Maya

ब्र.कु.श्वेता, शान्तिवन

(भूमिका : 'माया' यह शब्द सुनते ही जहन में आती है एक तस्वीर पांच विकारों से मलीन, काली, भयानक। लेकिन यहाँ तो माजरा ही कुछ और है। धमाका न्यूज चैनल की रिपोर्टर सपना जोशी और कैमरामैन अरविन्द भोसले लुप्त हुई माया सभ्यता को ढूँढने निकले हैं तो अचानक उनकी मुलाकात माया से हो जाती है। आइये देखते हैं कि आखिर यह कौन-सी माया है)

पात्र परिचय:

सपना जोशी – रिपोर्टर, 'धमाका' न्यूज चैनल

अरविन्द भोसले – कैमरामैन, 'धमाका' न्यूज चैनल

माया

दो बच्चे (बंदर की ड्रेस में)

(सपना जोशी, कैमरामैन अरविन्द भोसले के साथ मैक्सिको के जंगलों में कुछ ढूंढते हुए)

फिर कैमरे के सामने

मैं हूँ धमाका न्यूज चैनल की संवाददाता सपना जोशी और मेरे साथ हैं मेरे सहायक कैमरामैन अरविन्द भोसले। हम यहाँ लुप्त हुई माया सभ्यता के अवशेष ढूँढने निकले हैं जिनके लोगों द्वारा एक बहुत ही महत्त्वपूर्ण भविष्यवाणी की गई है कि 21 दिसंबर 2012 को इस विश्व का विनाश हो जायेगा। इसी मामले में अधिक जानकारी पाने के लिए हम लोग यहाँ आये हैं। शायद कोई क्लू मिल जाये जिससे हम उस सभ्यता और उसकी भविष्यवाणी के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त कर सकें और इस सृष्टि को विनाश से बचा सकें। आप देख रहे हैं धमाका न्यूज चैनल, जो सबसे लास्ट फिर भी फास्ट

(आगे बढ़ते हैं..)

सपना: अरे-अरे यह क्या है (किसी चीज को उठाते हुए) ये तो हाथी दांत से बनी हुई कोई चीज लगती है

भोसले- अरे दिखाओ मुझे, मुझे तो यह डायनोसोर का छोटा दांत लगता है। वैसे सपना, यह माया सभ्यता कितनी पुरानी है, उस समय डायनोसोर भी तो हो सकते हैं।

सपना- बकवास बंद करो भोसले, बी सीरियस, चलो इसे ले चलते हैं, लैबारेटरी में जांच के लिए भेजेंगे कि कितनी पुरानी है।

(चलते हैं..सायं सायं की आवाज)

भोसले- हे भगवान, हमारी मदद कर, हमें किसी मायन प्राणी से ही मिला दे, हम उससे पूछ लें कि उन्होंने ऐसा भयानक कैलेन्डर क्यों बनाया है। सारा विश्व भयभीत है। और उनकी वजह से हम यहाँ इस जंगल में खाक छान रहे हैं। तुम्हारा भला हो मायन लोगों। तुम्हें और कोई काम नहीं मिला था सिवाय कैलेण्डर बनाने के। खुद तो चले गये, अपने पीछे ये कैलेण्डर छोड़ गये। (गीत गुनगुनाता है, आदमी मुसाफिर है, आता है जाता है, आते-जाते रस्ते में यादे छोड़ जाता है)

क्या पता यही मेरी समाधि बन जाये, कुछ यादें छोड़ देता हूँ ताकि आने वाली पीढ़ियों को पता चले कि किसी जमाने में इन राहों से भोसले भी गुजरा था (अपना रूमाल गिरा देता है) अलविदा दोस्त।

सपना (पीछे देखते हुए)- अरे यह भोसले कहाँ रह गया। भोसले, भोसले

भोसले (पीछे से चिल्लाते हुए) - सपना जल्दी करो, रात होने वाली है, जंगली जानवर भी आ सकते हैं। मुझे तो बड़ा डर लग रहा है। उस लुप्त सभ्यता को खोजते-खोजते कहीं हम ही लुप्त ना हो जायें।

सपना- तुम जैसे डरपोक को खोजी चैनल में किसने रख लिया, समझ नहीं आता। चलो चुपचाप, सोचो भोसले, अगर हमें कोई क्लू मिल जाता है तो हमारा चैनल कितना आगे होगा और हम कहाँ होंगे।

भोसले- हाँ शायद स्वर्ग में (गुमनाम है कोई..बदनाम है कोई..)

सपना- तुम्हें तो किसी रेडियो स्टेशन में होना चाहिए था

सपना: अरे..अरे.. यह परछाई जैसी क्या है?

पीछा करो

भोसले- अरे बाप रे, यह तो भूत है.. नहीं नहीं..भूतनी है..पीछे पड़ गई तो..जय हनुमान ज्ञान गुण सागर..जय कपिस तिहू लोक उजागर

सपना- चलो मेरे पीछे आओ

(दोनों पीछा करते है)

सपना- सुनिए, सुनिए..अरे सुनिए तो

(पीछे-पीछे भागते हैं)

सपना- हम धमाका न्यूज चैनल से आये हैं। आप अपने बारे में कुछ बताइये। आप कौन हैं और इस भयानक जंगल में क्या कर रही हैं?

माया- (भयंकर आवाज में) मैं माया हूँ.. (मुड़ती है)

भोसले – अरे बाप रे

सपना- (भयानक चेहरा देखकर चिल्लाती है, भोसले उसके पीछे छिप जाता है फिर हिम्मत करके पूछती है)

सपना- क्या आप माया सभ्यता से हैं?

माया- हाँ मैं माया हूँ।

सपना (भोसले से) - (खुशी से) वाओ..हमारा सपना पूरा हो गया..हमने माया सभ्यता के एक प्राणी को ढूँढ़ निकाला। अरे भोसले जल्दी से कैमरा सेट करो। हम इनका लाइव इंटरव्यू लेंगे।

माया सभ्यता का कोई प्राणी ..इतने वर्षों बाद भी जिंदा.. अगर यह हमसे बात करने को तैयार हो जाये तो यह न्यूज ब्रेकिंग न्यूज बन जायेगी, तहलका मचा देगी। टीआरपी रेटिंग में हमारा चैनल सबसे आगे होगा।

हमारे चैनल को बेस्ट न्यूज चैनल का अवार्ड मिलेगा। चलो भोसले, जल्दी करो, कहीं यह चली ना जाये।

भोसले- मुझे तो इसे देखते हुए भी डर लग रहा है। कैमरा कैसे फिक्स करूँ, मेरे तो हाथ ही कांप रहे हैं।

क्या इनकी सारी सभ्यता ही इतनी डरावनी थी? अब समझ में आया ये जंगल में क्यों रहते थे, जानवर भी इन्हें देखकर डरकर भाग जाते होंगे।

सपना- मैं सर से बात करती हूँ। (फोन मिलाती है)

सर..मैं सपना..एक खुशखबरी है..हमें माया सभ्यता का कोई प्राणी मिला है..वो भी जिन्दा..

बॉस - अरे सपना..यह तो बड़ी अच्छी खबर है..उसे जाने मत देना

हाँ सर..हम उसके इंटरव्यू की तैयारी कर रहे हैं..आप लाइव प्रसारण की व्यवस्था करें।

ठीक है..मैं बस अभी करता हूँ

(आप देख रहे हैं धमाका न्यूज चैनल, सबसे लास्ट फिर भी फास्ट

मैं हूँ धमाका न्यूज चैनल की संवाददाता सपना जोशी और मेरे साथ हैं मेरे सहायक कैमरामैन अरविन्द भोसले। आप देख रहे हैं माया सभ्यता के एक जीवित बचे हुए प्राणी को.. यह सपना नहीं हकीकत है। टीवी के पर्दे पर पहली बार..मानव इतिहास में पहली बार..एक पुरानी सभ्यता के बचे हुए प्राणी का लाइव इंटरव्यू सिर्फ धमाका न्यूज चैनल पर..अब होगा खुलासा हर राज का ..क्या सच में 21 दिसंबर 2012 को इस विश्व का विनाश हो जायेगा.. क्या हमारी और आपकी यह खूबसूरत दुनिया इतिहास बन जायेगी.. क्या है मायन कैलेण्डर..आज उठेगा इन सब रहस्यों से पर्दा..)

सपना- अच्छा माया जी, हम आपका इंटरव्यू लेना चाहते हैं।

माया – इंटरव्यू यह क्या होता है?

सपना – मेरा मतलब है, मैं आपसे कुछ जानना चाहती हूँ?

माया – क्या जानना है?

सपना – अच्छा पहला सवाल, आपने 21 दिसंबर 2012 को विश्व के विनाश की बात कही है, इस बारे में आपका क्या कहना है?

माया- (धीरे से) इनको विश्व के विनाश के बारे में कैसे पता चला? इनको कैसे पता चला कि मैं जाने की तैयारी में हूँ..मैंने तो अभी तक अपने जाने की डेट फिक्स नहीं की है, फिर ये कौन-सी डेट की बात कर रहे हैं?

(स्पष्ट शब्दों में)- नहीं, नहीं, मैंने कोई डेट फिक्स नहीं की है

सपना- पर हमें आपका कैलेण्डर मिला है जिसमें 21 दिसंबर 2012 के बाद की डेटस ही नहीं है।

माया- मेरा कैलेण्डर

सपना- आपके कैलेण्डर का नाम क्या है?

माया- विक्रमी कैलेण्डर

सपना- अच्छा, आपकी सभ्यता कितनी पुरानी है?

माया- आज से 2500 वर्ष पहले हम लोग आये थे। (उन दिनों को याद करते हुए) वे भी क्या दिन थे?

सपना- आपकी सभ्यता इतनी पुरानी है, हमने तो सोचा था कि...

(माया बीच-बीच में कराहती है)

सपना: अरे इन्हें क्या हुआ, भोसले पानी लाओ..इन्हें पानी पिलाओ

(आप देख रहे हैं अब तक की सबसे सनसनीखेज खबर..माया सभ्यता का एक प्राणी..वो भी जीवित..सिर्फ धमाका न्यूज चैनल पर..हो सकता है अगले वर्ष में सूरज पूरब की बजाय पश्चिम से उगता दिखाई दे या फिर हो सकता है रेगिस्तान में बर्फ की बारिश हो और यह भी संभव है कि आप सुबह सोकर उठे और आपको घर के बाहर डायनोसोर घूमते हुए दिखाई दें..कुछ भी नामुमकिन नहीं..अगले कुछ वर्षों में इस पृथ्वी ग्रह पर जबर्दस्त हलचल होने वाली है..तो आप कहीं जाइयेगा नहीं..हम अभी दो मिनट में हाजिर होते हैं इस छोटे से ब्रेक के बाद)

विज्ञापन

दो बच्चे बंदर की ड्रेस में आते हैं

दो बंदर आपस में

एक- अरे यार चंपू, आज तो मेरा सारा बदन दर्द कर रहा है..इस डाली से उस डाली पर..उस डाली से इस डाली पर कूदते-कूदते देख तो क्या हालत हो गई है..पता नहीं रात को नींद आयेगी भी या नहीं।

दूसरा- अरे यार फिक्र क्यों करता है, ये ले झंडू बाम, पीड़ाहारी बाम (झंडू बाम..झंडू बाम....पीड़ाहारी बाम, ढेर सारा प्यार, थोड़ा सा झंडू बाम, पीड़ा से झटपट आराम)

सपना: वेलकम बेक, हम एक बार फिर से आपके सामने हाजिर हैं..एक जरूरी खबर अभी कुछ ही दिनों में चंद्रमा पर प्लॉटस के दामों में जबर्दस्त तेजी आने वाली है, समय रहते अपना प्लॉट बुक करा लीजिए क्योंकि यहाँ कभी भी कुछ भी हो सकता है।

माया कराह रही है

सपना- आप कराह क्यों रही हैं? आपकी उम्र कितनी होगी?

माया- 2500 वर्ष

सपना- (आश्चर्य से) इतने वर्षों बाद भी आप जीवित हैं?

माया- पर अब लगता है कि विदाई लेने का समय आ गया है। कुछ लोगों के पावरफुल संकल्प मुझे विदाई देना चाहते हैं। मेरे सभी साथी भी एक-एक कर मुझे छोड़कर चले गये..(चिल्लाती है)

सपना- आप 2500 वर्षों तक क्या खुराक खाती रही इस जंगल में? ऐसी कौन-सी जड़ी-बूटी है जो आपको इतने लंबे समय तक जीवित रखती है

माया- उसका नाम है पंचविकार वटी

सपना-भोसले नोट करो इस टेबलेट का नाम,

सपना: अच्छा माया जी, यह बनाई कैसे जाती है, मेरा मतलब है इसमें क्या-क्या डाला जाता है?

माया- कामरस, क्रोधघृत, लोभ के रसायन, मोहबूटी, अहमगंधा

सपना- अच्छा, आपकी 2500 वर्षों की जीवनयात्रा के सबसे सुखद पल कौन से रहे?

माया- 1937 से पहले का समय सुखद ही सुखद था।

सपना- अच्छा उस वर्ष में ऐसा क्या हो गया?

माया- बात मत पूछो, उस दिन से मुझे इस धरती से मिटाने के प्रयास आरंभ हो गये। अभी तो दिन-प्रतिदिन उन प्रयासों में तेजी आती जा रही है। देखो तो मेरी क्या हालत हो गई है।

भोसले: अच्छा है जितना जल्दी जाये.. ज्यादा समय जिंदा रही तो अपना तो भूसा ही बना देगी, फिर मेरा नाम होगा अरविंद भूसे।

सपना- भोसले, बकवास बंद करो..माया जी, आपने पहले भी कहा था कि कुछ लोगों के पावरफुल संकल्प मुझे विदाई देना चाहते हैं, आखिर कौन हैं वे लोग जो आपकी सभ्यता को मिटा देना चाहते हैं?

माया- मैं उनका नाम लेकर अपने मुख को शुद्ध नहीं करना चाहती

सपना- फिर भी कुछ तो बताइए

माया- अच्छा, उनकी संस्था का कोड है बीके

सपना- बीके.. बीके माना क्या, भोसले बीके, ऐसा कोई संगठन है क्या? पता करो..(सोचती है) क्या हो सकता है, बिल क्लिंटन, नहीं..नहीं

सपना- उनके बारे में और कुछ बताइए, देखिए हम आपकी सभ्यता को बचाने का पूरा-पूरा प्रयास करेंगे

माया- नहीं उस संगठन का लीडर बहुत पावरफुल है..अब मुझे जाना ही होगा।

सपना- बस..आखिरी सवाल, जाते-जाते आपकी जनता से क्या अपील है

माया- मुझे बचाओ..अलविदा.... फिर मिलेंगे 2500 वर्ष के बाद

मुझे दिखाई दे रहा है..एक तेज प्रकाश जो धीरे-धीरे मेरी ओर बढ़ रहा है..(आंखें बंद करते हुए) यह प्रकाश तो मुझे निगल ही जायेगा..खत्म कर देगा..कोई तो बचाओ..मैं अभी जाना नहीं चाहती..

सपना: कैसा प्रकाश..आप किस प्रकाश की बात कर रही हैं?

माया- मैं देख रही हूँ कि एक दिव्य अलौकिक प्रकाश धीरे-धीरे सारे विश्व में फैलता जा रहा है..मेरे साम्राज्य के अंधकार को खत्म कर रहा है..मेरा राज्य नष्ट हो रहा है..बचाओ..बचाओ.. (उठकर गिर जाती है)

भोसले : लगता है माया बुढापे में सठिया गई है

सपना: अरे भोसले, एंबुलेंस को बुलाओ

भोसले: सपना तुम्हारा दिमाग ठीक है, इस जंगल में एंबुलेंस कहाँ से आयेगी

सपना: कुछ करो भोसले, हमें माया सभ्यता की इस आखिरी निशानी को किसी भी तरह बचाना है, अगर इसे कुछ हो गया तो एक बड़ी सभ्यता का रहस्य हमेशा-हमेशा के लिए इसके साथ ही दफन हो जायेगा। हम इसे अपने साथ ले जायेंगे। इसका जीवित रहना कई राज़ और हमारे लिए सफलता के द्वार खोलेगा।

भोसले: लगता है, माया का इंटरव्यू लेते-लेते यह भी पागल हो गई है, अब तेरा क्या होगा भोसले। बेटा भोसले भाग ले, तेरी खैर नहीं। अपने को बचा ले। जान बचे सो लाखों पाये। (भोसले भागने लगता है)

सपना: अरे भोसले, सुनो तो..सुनो तो..

(तो देखा आपने..माया अभी जाने की तैयारी में है। कलियुग की काली अंधेरी रात खत्म हो स्वर्णिम सवेरा आने वाला है..तो इसी खुशी में हो जायें तालियाँ...अभी जितना तीव्र हम पुरुषार्थ करेंगे, उतनी जल्दी माया की विदाई हो

जायेगी.. आइये आज हम सभी प्रण करें कि जल्दी से जल्दी तीव्र पुरुषार्थ कर माया को सदा के लिए विदाई देंगे और अपने प्यारे बाबा के स्वप्न को साकार करेंगे।)